Pending appeals with Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal

135. DR. NARREDDY THULASI REDDY Will the Minister of FINANCE be phased to state:

(a) wiiut is the total number of appeals pending with the Customs, Excise & Gold (Control) AppelLie Tribunal at present;

(b) the number of appeals and stay petitions disposed of during 1991-92; and

(c) what steps arc proposed to be taken for quick disposal of appeals in the tribunals?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI RAMESHWAR THAKUR): (a) The number of appeals pending with the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal (CEGAT) as on 31.10.92 is 49,155

(b) Appeals with stay petitions disposed of daring 1991-92 are as under:—

(i) Appeals : 6494

(ii) Stay petitions: 4896'

(c) Amongst the steps taken tor early disposal of appeals ate: bunching of appeals involving similar issues, listing *ai* appeals disposable on the basis of earlier decisions of the Tribunal and Supreme Court and creation of additional Benches for Customs, Excise & Gold (Control) Appellate Tribunal.

Quantity of Narcotic Drugs Seized

136. DR. NARREDDY THULASI REDDY: Will the Minister of FINANCE be pleased tostate:

(a) what is the quantity of prohibited narcotic drugs and psychotropic substances seized and how many persons including foreigners were arrested under N.DPS Act during the years 1990-91 and 1991-92; and

(b) what measures are proposed to be taken for effective prevention of illicit trafficking in narcotic drugs and psychotropic such "cs?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI RAMESHWAR THAKUR): (a) (i) Quantities of narecotic drugs and psychotropic substances seized under the NDPS Act 1985 during calender year 1990-1992 (*kg.) are as* follows:—

Drug seized	1990	1991	1992 upto October
Opium	2114	2145	1585
Morphine	6	6	27
Heroin	2193	622	1034
Ganja	39090	52633	41290
Hashish	6388	4413	5024
Methaqualone	2141	4415	9072
Cocaine	1	0.008	0.350

(Figures for '1992 art provisional)

(it) No of persons arrested is as follows;—

(NO.. total are indLstjJ in tru- *r:w:\'c.i."*

liaures p. ovtsional)

1990	1991	1992 upto October
4392 (234)	5360 (93)	8763 (79)

(b; Instructions have been. issued to all enforcement agenices to maintain the utmost vigil and :> up enforcement efforts undei. the stringemi:: provisions contained in the. 'NDPS /

Closure of Small Scale industries due to resource crunch and credit squeeze by Banks

137. SHRI V. NARAYANASAMY: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a large number of small scale industries are closed because of the resource crunch and credit squeeze by the Nation:'1- cd

Banks; and

(b) whether it is also a fact that the banks are not advancing loans to small scale industries inspite of the RBI panel recommendations?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI DALBIR SINGH): (a) and (b) No, Sir. Reserve Bank of India (RBI) have reported that the credit restraint measures introduced by them were only for a limited period from 9.S.91 to 30.9.91 and were applicable to the borrowers enjoying aggregate working capital limits of Rs. 1 crore and above. Nevertheless banks may, in some cases, have imposed some self restraints in extending credit due to Jtheir overextended position. RBI has, however, advised the banks not to disrupt credit flow to the priority sector including small scale industries.

नोट छापने की प्रैस में हड़ताल

138. **श्री शंकर दयाल सिंह:** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इस समय देश में नोट छापने की प्रैसें और सिक्का ढालने की टकसालें कितनी हैं और ये कहां-कहां स्थित हैं;

(ख) क्या गत एक वर्ष के दौरान उनमें से किसी प्रैस अथवा टकसाल में कोई हड़ताल हुई थीं; और

(ग) यदि हां, तो कर्मकरों की मुख्य मांगें क्या थी और उस समय में सरकार ने क्या फैसला किया था?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री दलबीर सिंह): (क) इस समय दो नोट प्रिंटिंग प्रैस हैं, जिनमें से एक देवास (मध्य प्रदेश) और दूसरी नासिक (महाराष्ट्र) में है। चार टकसालें हैं, जिनमें से कलकत्ता (पश्चिम बंगाल), बम्बई (महाराष्ट्र), हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश), नौएडा (उत्तर प्रदेश) प्रत्येक में एक-एक है।

(ख) केवल बैंक नोट प्रैस, देवास में पिछले वर्ष के दौरान दो बार हड़ताल हुई।

(ग) बैंक नोट प्रैस, देवास में वर्ष 1991-92 के दौरान पहली हड़ताल कंट्रोल स्टाफ द्वारा की गई थी। उनकी प्रमुख मांग, 500 रुपये मूल्यवर्ग के नोटों के मुद्रण से संबंधित 33 विद्यमान पदों का उन्नयन होने तक प्रोत्साहन का ऊंची दर पर भुगतान किये जाने से संबंधित थी। सरकार ने यह मांग मान ली थी। दूसरी हड़ताल कार्यालय कर्मचारियों द्वारा की गई थी। जो 44 घंटे प्रति सप्ताह सामान्य कार्य घंटे शुरु करने के सरकार के निर्णय के विरुद्ध थी। यह मांग नहीं मानी गई थी और संशोधित कार्य घंटे लागू किये गये।

सिने तारिकाओं पर आयकर की बकाया राशि

139. **श्री शंकर दयाल सिंह:** क्या वित्त मंत्री 18 अगस्त, 1992 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न संख्या 4322 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में कौन-कौन सी दस शीर्ष सिने तारिकायें हैं जो सर्वाधिक आयकर का भुगतान कर रही हैं; और

(ख) ऐसी दस सिने तारिकाओं के नाम क्या है जिन पर आयकर की सर्वाधिक राशि बकाया है और इस राशि की वसूली के लिये सरकार क्या कदम उठा रही है?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रामेश्वर ठाकुर): (क) चोटी के करदाताओं द्वारा अदा किये गये कर के बारे में व्यवसाय-वार अथवा व्यापार-वार सूचना को केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड द्वारा समेकित नहीं किया जाता है। देश के विभिन्न भागों में फैले हुये आयकर विभाग के क्षेत्रीय कार्यालयों से इस सूचना को एकत्र करने में काफी समय लगेगा तथा प्रयास करने होंगे जोकि प्राप्तव्य परिणामों के अनुरूप नहीं होंगे।

(ख) नाम संलग्न विवरण में दिये गये हैं (नीचे देखिये) इनकी तरफ भुगतान के लिये बकाया आयकर की वसूली के निमित्त निम्नलिखित उपाय किये गये हैं जो प्रत्येक मामले में की गई अपेक्षित कार्यवाही पर निर्भर करते हैं:—

(i) कुछेक मामलों में मांग की वसूली के निमित्त कर-निर्धारितियों की चल तथा अचल परिसम्पत्तियों की कुर्की कर ली गई है।

(ii) कुछेक मामलों में मांग को कानून के अनुसार आवश्यक कार्यवाही करने के प्रयोजनार्थ कर वसूली अधिकारी को प्रमाणित कर दिया गया है।

(iii) एक मामले में एहतियाती (प्रोटेक्टिव) आधार पर किये गये कर निर्धारणों के परिणामस्वरूप मांग का सृजन